

77

त्रादित्य न वृमावर्कियेडा वृस्येह निन खान भक्ती वमावर्कियेडा वाहु न
 नखन न मित्राज नृण्यमाहिडा जै गवाया मक्ति निडा वृधया कामासि
 धू उ कयावडु माया खाचिन रुहयिडा गवक्र प्रहयी सूत्रमगडा कडुश
 कोयाहिह ॐ निमयं सवा काववक्र सयं ॥ सु तडा ॥
 रथीरन न्धव विवाह ॥ कूडस जगसाभ कदय नाना हानिश्य ॥ गहस क
 रु बागहय ॥ ऊडावाहस रुय ताह ॥ वृयास बाग ॥ पातागिम अकन कवा
 ऊहय ॥ कनव कृहिस बागहय ॥ पातिस हिषक घातइय ॥ पातिसकुम
 नहय ॥ ॐ डीस बाग ॥ मिमाया हतमान कागिसाव रुय मूत्य रुय रुय ॥



हृदयसखी संपरिदय ॥ निवस संमतिमा
 न्यरुय ॥ मिमाया हतमान कागिसाव रुय ॥ न
 उरु सुखयी नैयथाम ॥ यथस यथयोग
 न मेहय तय ॥ कापमासास जगसा इषश्य
 ॥ मिमाया निवस तागसा न न्धव पाथका
 लधाय ऊडास जगसाय नृया कदियिडाद
 थ बास तागसा पुन वया कदियिडा मडीस
 जगसा धन सदिपिडा थलिमिमाया निवस

[illegible]

सिद्धाय। यत्पुनर्व्यासस्य कुलविदं गयीस्युदिगाययौ। नृश्रवक्ष्याम्यहं
 दा॥ श्रुत्वा पठन् नीविद्यायी पूर्वसवांसु कथ्या॥ ॐ महेय इन्द्र॥ १०८
 इन्द्रो ह्यवतु कृत्वा यथा त्वज्जनाडोऽज्जनाडोऽज्जनाडोऽज्जनाडो मल्लु मल्लु मल्लु
 रुतय प्रसवय॥ ॥ यत्र गच्छं गतामदाय न गच्छिषु विमध्यन्तां वार्षपत्ता श्रु
 नसत्वाय॥ ॥ गणपतये नमः प्रथमं कनकनखं ह्य गगनं यच्च गच्छं कर्म न
 हं मातर्यो यो ददवी गृहं नृगमलुहं त्वं गच्छिष्ये वदस्व धनं वनं
 रुदवी कुरु मल्लिन वदस्व गाव वदस्व शुको कनक कर्तुनी ह्यनमस्ति वद
 स्वि विस्मिन् मी गतं नृव वान वदस्व रुसि ह्ये गा मं रुय गमस्व नृह्य श्री वीमं नृग

श्रीमन्मन्त्रयुग्माद्विवाहिर्न ॥ नयसर्वतिस्विनर्थं पुनः पुनः स्वयं हि
 र्नेर्विभक्तिस्वगणुटिका नीति कपयुटिका मरुत के विभक्तिनी ॥ धन
 हियभसायाश्चनधडा ० ० दवगायाहावनानमहावयाडा अथमनहा
 नपागुछाकार्यहिठ मोहिठ सिद्धमसिद्धरुत्तन ॥ ॥ धननिष्ठक
 याकामनाह्वदकोडा श्रीश्यावलोकि नवयारावनायाडा अगु
 तिष्कामनसगयाडा ॥ अउकरीमाहाविद्याकुरापयाडा अगुटिका रुय
 हर्षगुटिका वायक द्वापीमध्यसुधीमो के अथ द्वाडा नवनवयारु
 डा के धनवायक ॥ ॥ धननिष्ठो के अथवा के पुनगुटिका ताव

श्रीशेक ० धनवायक के
 रुकया ॥ ११ ॥ रुनक ० एया के रुकया ०

याहृ ॥ धनयाहृ नसासिद्ध धमडासे वधरुय पय्याहृ सुखाहृ सीथडाक
 आयडा रुकार्यधर्मकार्यगवयवसासिद्धिरुयडा ॥ नाडा अयोमिरुयडा वक
 नसा नानियासिर्नडायो निरुयडा नाकानननसाय नायासिद्धि मरुताह ॥ ॥ स
 मरुहो कयाहनसाययाकार्यसिद्धिधर्मयाकासावहृयडा थअनी दवगाव
 हदवगायाहृ दहिरुयडा यितासगवनिश्चयप्रसमरुसिद्धडा ॥ १ ॥ दिनी
 यकनके वसहृकयाहृ ॥ ॥ फीतेमभट्टहवनधर्मयाहृ नसासमरुधर्म
 याहृ हवनिडागमनयाहृ हृयाहृ धनयाहृ नसाहृ संहृममानयवधन
 याथडायसिद्धयडा ॥ संगानड्याहृ नसायुवर्ग २ दयडा नागियाहृ सांज्ञावा

दिना २० वि १००० क १०००
 १००० १००० १००० १०००

र्यवा मन्व च नृनि गन्त्रा गगना वमुक श्वा सुवमुक श्ययू इह गगना इह
 ज्ञानया इह नर ॥ अथाना नित्तर मया गजान न्क श्यया अइवा गस आय न कृत्
 र्यम १००० अडा अडा अवन मया अयं चामु गजा तने यरुया ठे चिवा तसे नडा
 या कृ स गडा यमिसं नडा मयय न ॥ रुनं का सय प्रथम १००० ज्ञान का द्य पूर्व स
 वाय ॥ थिने मे ज्ञान सा ए ह्य ह्या अ विद्या धर्म ह्या अ गडा धक द ग स जे न म ह
 यडा ॥ थय प्रया ए ज थ अ गडा धक दू कम धा विह्य अ ॥ योगिया त्व न साम
 र्ये न्ना चार्य सग म्ना चार्य हारु नया ग क नृप न मि ना धा व लि पा ण्या ग क ॥
 थय प्रया सम स्यां स्व न सी ति ठ ह्यो ॥ २ ॥ हनीय रु मा स द वी या क श

कयारु त ॥ अर्य द व ता या वा डा रु मा लय य र्व ग स विष्ठा क स क र ता क न यू डा
 या क थ र्थि स्तु त स द मि ह्य अ म्ना उ द्वि द व च न मन क य ग म इ ग डा ध द
 द व ना या स द वि ह ॥ योगया ठ न सा म्ना म्ना न लि म र स स व ह्य यू डा ॥ स न्ना
 न या ध द न सा स न न वृ द्धि य म न या द न सा धि वा ह्य यू डा ॥ योग द व ना या रि
 म स न या स वा या द न लि ह्य यू डा ॥ २ ॥ च रु थ सा य ग दे वी या क श क य
 रु त ॥ कृ म नू न क ह्य न न य ह्य द्य अ वा न ह्य व ल्प य थ य न या स र डा या डा
 आ ना कृ मि स र्व न सं य लि सं य न्ना य डा स न न रि स म रि स ह्य द्य ग मी स न्ना
 न र्थ यू डा म ह्य ॥ कृ या ध द न सा रु न ला य मि न या ध द न सा म्ना रि ह्य ॥ स

२४५ गदवीया क इ क या ४॥

मानयाषठनसांकायमावाह ॐ आ ग या ख चै स उ ट्या क या ख ठ न सां वा
ग न नाने सायुडापि भावया इवन है ३ ॥ नानि वति पा म स प गा प खा का अ य
व स वाय नागोया पा ० याय नागय क्रा याय कृ पि नि कृ सं द ह म मा ल स द व ग
या स क्रा ग या कृ पा इ ध का कं स द व गा या पु क्रा या ख न ति ह इ य डो ॥ २ ॥
प ये म स न ३ ॥ स व त उ स र क या रू त ॥ य व न गु भ या कं क्रा का य त क्री या
डा डी न कृ या म न ह वा य रू य डी थ अ म न ति ह न य व कृ न म या आ नि ख
स ह न ह नो न गु व थ रू य डी म र व आ य व दि ह य डी य या का या न सा सि
द इ य डी ॥ नो ग या ख ठ न सां कृ या ख ठ न सां कृ स द व गा या इ व न इ प

नरुजगद क या ४॥

व न या व ष सि पा त स वा ह थ अ धि थि या या इ व न पि भा व या इ व न इ व या
नि मि ति न स द्वा कृ न म न स ग म न्द्र दि क इ य डी ॥ नो ग रू य डी त्वा इ म रू
या रू य डी म इ ॥ थ या भा नि त्र मि ना रू क था ग न या क्रा य या य आ य न ति
ष क का य रू न पि न कृ य या न डी च स व वा पा ० या य पु नि ह का कं म व ति वि
य मा ल ॥ य व स ष स म म या व ठ न सां ति ह इ सा ॥ ३ ॥ य व स म कृ सि ह
स रू क या रू त ॥ ॥ ति ह या त्वा सि चाम धि कृ क थि या मा कृ न आ नि व न सा
य डी आ न द इ य डी कृ थ र्थ थ डी थ स व वा न थ म वि ना न म व म इ द न
न व डी न सा नो ग इ ति इ य डी या रू य म इ डि अ या ख नो ग म रू य म इ ॥ नो ग

शुक्रसिंहया के शुक या ३॥

उभया के शुक या १॥

वत्सासिंह के या ८॥

याखटनमाननानसायडा नद्वसुकेनननेयडा नागइहर्वहगयक
पिनावयाइर्वकाथयाकेपूनाडाडा नागइस्वनरभानिनागयायाव्याय
पूजकायदवयकायायवलिआ॥खडाभखटनसामयथशानिनउमन
कटारवनखडा॥ ३ ॥सकमनाजउथयाकेरुकयारुने॥गुलिगादम
कनहिलसाकुंकासिधुनेकधधुयाभानिलकाकायमलजिउ
याकानधउकीवविजयापाभयागकेमहावलीवियकेनकसेयभयदेवनापूजाः
भक्तनधनहवमायूरयइविहिलिभक्तियानियारयमययइवनयेयायमालवम
नऊडीनसीयायूरयारयइधप्रधनकुंसागसीअलकध॥ १ ॥**अदमवलास**

शुकयारुल॥वलाईसीदहमरुसाधधामनससाकमशअप्रप्रधुडाउधुक्रया
लिनसीवाठअदिकमहयसहयशयमारयइविलयायमालमजुयारवके
नसाखयाभतयारुइधयाभानिभजदेवनापूजावलीनभक्तिभानिगु
जागहयगावियसिधुमभधर्मवालमहानाजायादाधनतडाभकियायजि
उमजिउउनसीमजिउधकनाधुगुलीप्रप्रईहलसीदधुजि॥ ८ ॥**नवमव**
नदेवीयाके शुकयारुल॥सुविकेपउरुहिलुलदिसरुलेमशुयादाषद
नसारिमसनयादाधनइवश्ययाअनितयावमुकसपूठानजगहधुगुव
मुलिनविमालसंवधययारवलातसीअतयमिलाधयायमखरुमन

ससदीर्घादो अदिकइ यूडा दा धयस्रमध्व ॥ ८ ॥ दधमसकानमइकाथया
 कइकयारुल ॥ कलमनामइ यूडा दाइ शादीदगसासिइ हमा लपिसाया वा क
 सियां क्रयां दोर्मइ वली वियाडा आयथा स भक्रया रुयइ समु अनुया रुयइ से
 कानेमइ पूगर्मी १ मी २ मी ३ पिसा लन काये या रुयइ धया वलि भकि यायेना
 ल महारुन १५ म सुवली विगनाल पिनभागे या न पिछु थयनाल मनसकचि
 जमइ यूडा पथु या जनद मसा सियं दू आ निरी के या यमाल भानि या रुलन अथ
 वामदगसां च ल मी ३ यूगन सडम या कथं या कदय धयु म क्रया ख कसां मसि
 ८ ॥ १० ॥ उकादग गाल वृ क सइ कयारुल ॥ सपूगन साया वइ यकि दधमरा

धयु म उथं व व धका यमू चा इ यूडा ख गुली दधया ख गु रु या धनी इ यू ३
 रु पा रु क क रु सियूडा राथ धासा दन नडा ठा रु स पि न या वा पा निया न पन म
 जिडा ध धं थडा वि ठम सया दा कन विस्वास घा न या यूडा वि चाल दय कं माल ग
 न व रु क न नानं ल यू जिडा म जिडा छाया जिज मि वडा पी नि इ यू प्रा गियां न नां
 लायू वन रुडा न सां माला रु दयू थडा क ल द व ना ०० वृ द व ना पू डा या डा अ नि
 की ८ धयु म रु रु ल सां व्यव हा ज या कसां सक मां लि ८ ॥ ११ ॥ दधम गं ठ सि मा सइ
 कयारुल ॥ द्वाया ह ल द कसां लि प क स ग दा उ नि डा द्वाया या स प कि द कसां म द या
 डा नू डं व ज पू डा या य माल रु या ख द न सा म ध्व म प्रा गिया ख न न सा प्रा ग न

वदद विइ कया ॥ का थया केइ कया १० ॥ गले सि मा सइ कया ११ ॥

येया कलेससक कया १४॥ स्तानमलिकसक कया १५॥ म गसिमास

पूहियायू भकूडाऊाजीयायरूयू सकलमनूष्यं धनं थडावस्यइयू धर्मायाख
मिगयाख गमनयाख कूयाख मृत्पूयाखरिहं धनपुनलारु पुरुषं उदयू
दाषभक्तिरीमसनयावलीपूजायाय वजवीदोपिधीयाथयाचकं मिगुसस
धरिहं धपुनकू स्वगसांरिहं ॥ १३॥ वाठभविठववजसक कयाहलगाविठव
वजथं सना नंमरूशी लाकं ठवचयाकयादडा पूर्वजनायारुलडा मिलयइला
भकूनं प्रागनं सनानं मरू मृत्पूया कूयाख गुरुमिगुसं वं धरिहं सनानपुनक
उदयू प्रागीमृत्पूमखं दाषरीमसनयाकूसीयादुषं भक्तिदवयूजा नवग्रहदा
नविये जिउमजिउयाख जिडा नठवसुकैलूयू पुण्यरु लगडा धं समस्त क्राशुरु

मंगले भविठवसक कया १५॥ म गसिमास

दठालाकसकस्यनं मान्ययायू धपुन कू स्वगसांरिहं ॥ १४॥ सकादभमंगलभ
खसक कयाहल ॥ महाभंख भद्वजिगुलीदिसासठं कू नसदांरुमिसनानवधि
कू नपर्वगनकू किनडानूरुय भसुद्यानइयू खिचां हायंरु हिखठद्यालरुय
दपुनकू उदयू मिगुवन्धइयू लागीयाननानं लायू कू वासां हादुखी वासां
लीसखीसर्वकार्यरिंशुरु गैरुं लूयू पिभचियादुषं पुण्यगिजापोथयाचक
धर्म नगाप्रका जधयायससक्त क्रायोरिं ॥ १७॥ अष्टादभगठसिमासहनम
नसहिगसक कयाहल ॥ थडाकाइलं भवयाकाइलं सीधयूमसिधयूखसा
मसिध कू नया नायाया कूइलसां थकनामदुगठवसुकं मलडा कू सकल

वजसइकयाहल १५॥

五十九

दासकथा१८॥

हृद्युथमनलाथंखलायुलागियाखदुनसामुख्यखंयचदभडांसा लसजाग
हृद्युथनहृयंहृयासाविप्रोधयेके,थयासानी,रिहृकैजयूजायाय,लकचैय
थय,चगुर्वलीया ४विय,यंचयकायाथयाचक,कूनसनानदयू,थय४नमरी
॥१८॥उनविभक्तकासमिखाहासइकयाहूल ॥गडाधनखसिम,हावाधयइ
डाथंइयू,अनयसमदेसां,लियनसदयाडांयू,थथंमदयादे४खइसां,लिय
नसइखीइयू,याहा२कासिधयू,कूनकूसगुरुलागीयाहंसांलायू,विस्मडांई
मालास्ययू,नदवसुक,खंषयायंगुवसुक,खननानंलायू,दायंथडां,हृकिऊन
भसुधाननसिकन,पीसाचयादयंह,कूसकसरुनपीगुलपू,पीनडांसांलवाय

अनुसायाकंशकया२०॥ ह्रीनरव

मालीडा श्रयाभक्ति पिण्ड च या न वली नय गा न धन य ख या हयं दू श्रम कु द
पि न कृ य रु सा हिं ॥ १९ ॥ विमनी च नु मा या के इ क या रु ल ॥ शु क य क्ष स वा ध
य इ यू कृ कृ प कृ स हि न इ यू श्र य म् न उ र्थं पू जा ध र्म स म न मि डा ध र्म ख ढ ढ नी
म ल ध र्म या डा कृ स म न स ख द य म मू म् न या पि ण्ड च या दार्ष च डा धि धि
मि क पी ण्ड च या दार्ष इ यं दू श्र या भ की व लि वि य गा ल ध न य चा गि या न नान
ला यू न कृ लि न कृ ष वृ ष या यू थ डा म् डा म् व मा म या म् मि न ल कृ च र य थ
य लि ग न डा मा मि न व ध रिं का ख इ ल सा कृ इ ल सा धि ला न नि नि सि ध यू
कृ या क्ता पा ला गि द न सां म ध्य म ॥ २० ॥ उ क वि ण नि ह्ना न ख कृ स इ क या रु

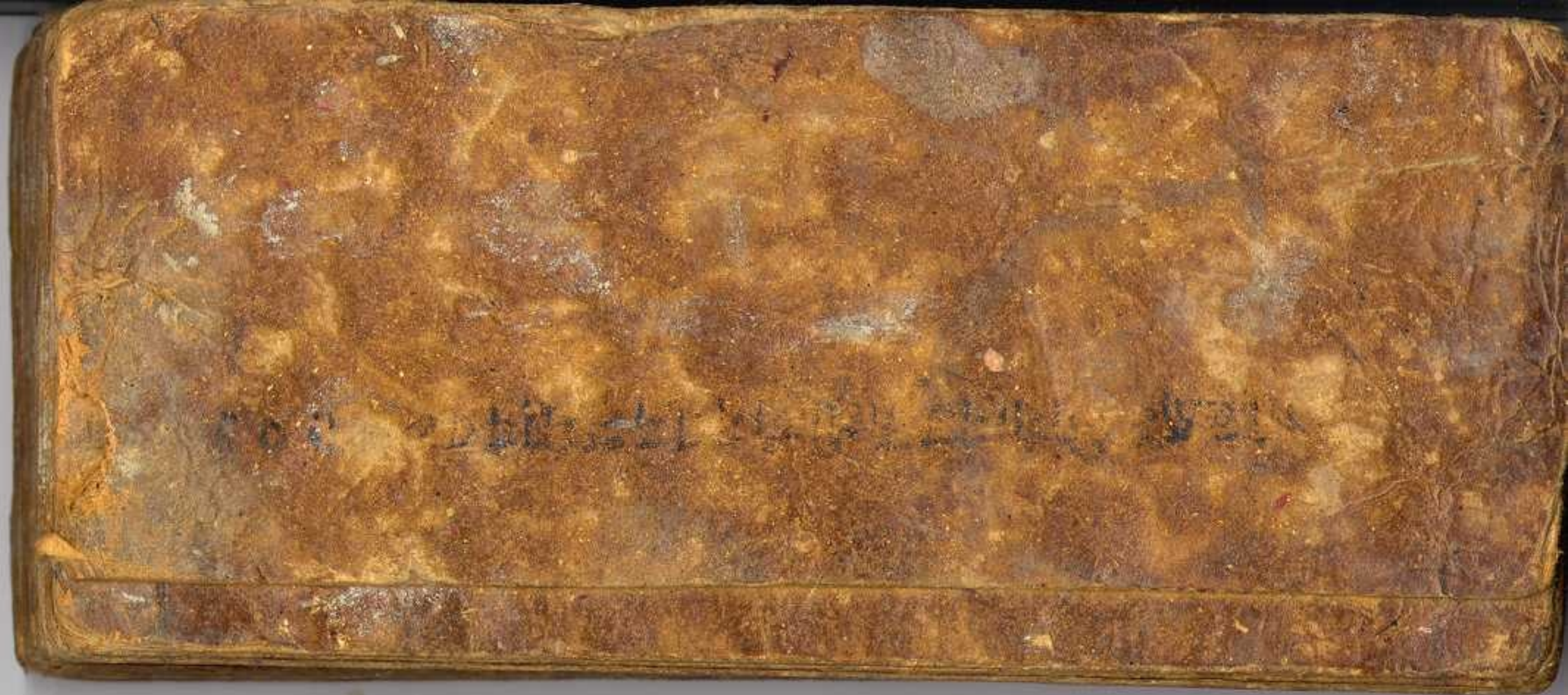
५५५

॥ स्वर्गलितिसुप्रदगती स्वर्गलितिसुप्रदगती ॥

१ कर्मनामवर्णनं इष्यते मिथ्या इति चेन्न ह न चतुर्थं पादं धीशु (५) च
शिववर्णनं अष्टमं वासिर्न ह किं दशमं वैष्णवक कजागिन द्याव (६)
प्रावनामृतं ॐ नमो गुरुदोषय ॥ १ श्री श्रीवज्रजोगिनिमाता ४॥ भ

१ गुरुर्विवाहगमनं च शुक्रं गमनं वृद्धादि कथयत्यनेनी रुद्धं
श्रीमन्मदर्थं नर्कसर्वीनिर्वाकार्या निवर्तमानां क ४॥ १ ॥





मिनसीमिनसीधरुवसियरुवा ॥ ॐ ॥ ॥ रथननकृपडागगुताचरु
लकाय ॥ मृगिनीमिगुसवरुमीमृगमृनयूनवैरु।यूयकृष्यागथरुसा
यसुनंछरुडवाग ॥ **गुगिनकृपडागउरुमरु** ॥ ० ॥ बाहिनीगिनि
यर्वाभिसागिबिगथवाचनी।अवनाअधनराअमधिसागमनसुः
गा ॥ **गुगिनकृपमधिसयसुन** ॥ ० ॥ कर्हिकाअमयाडाअयमसुध
।मृ।अषावार्हनाविनीयसुनैमनवैरु ॥ **गुगिनकृपमधिसयसुन** ॥
॥ ० ॥ ॥ रथनवाहजागुकाय ॥ पर्वतीदिएगुवसुयदकि।अवधमग
न ॥ यमिमपुननिमामउरुनगुववासन ॥ अगायवयससुन विप

विगानकायन ॥ ० ॥ **आदिएवाचरुकवाचवहासंवनारिग्य** ॥ ० ॥
वधवाचनगवाचयदकिनहासीवनरिग्य ॥ अनिअववाहसामवाचय
हासीवनरिग्य ॥ ० ॥ **वरुसागेवाहयहासुवनरिग्य** ॥ ० ॥ **अगवा**
नकागाय ॥ **गुगुन** ॥ **वियनीगइयमरु** ॥ ० ॥ ॥ **यायाविगगुवनकृष्या**
याहडाअमियदकि।न।युनीविनामीयव्य ॥ **स्वागिरुसुधइरु** ॥ ॥
अवेन।अयवहासुवनसगव ॥ ० ॥ **अग्निनीहननीदकिहासीवन**
सगव ॥ ० ॥ **बाहिनीयव्ययमिमदिगवसगव** ॥ ० ॥ **स्वागिरुसुउ**
रुवदिगवसगव ॥ ० ॥ **अगनकृपदिगविनाधस्य** ॥ ० ॥ ॥ ॥

तन्नादिह्यहमागुन्यथायागवृधननाधमलिवाहिनीयसोसावसोम्यंरुः
रुजैवनिचरोम्याउनिमममसिद्धियागम॥ ॥आदिवातहसनकुरुः
रासी॥वरुह्यागिवातयथनकुरुहासी॥वृधवातनूनवाधनकुरुहासी॥
अमलवातवाहिनीनकुरुहासी॥**अमलवातनूनवाधनकुरुहासी॥**
॥ ॥इहादमीयमयाविह्यविमषकादमीमसि।दमयागमनवाडा
वृधमलहासीयक॥अमलीषागुन्यवसि,दिगियावाहिनीरुःसफ
मिोजोममाषाशयमदृष्टायकीर्तिगा॥ ॥इहादमीमपनकुरुआदि
ह्यवातहासी॥अकादमीविमषनकुरुसामवातहासी॥दममीगा

डानकुरुअमलवातहासी॥दिगीयासुहनकुरुवृधवातहासी॥अरुमी
अमविषनकुरुवरुह्यागीवातहासी॥दिगीयावाहिनीनकुरुमुकवा
हासी॥सफमीपूर्वाषाटनकुरुअनीमनवातहासी॥**अमलवातनूनवाधनकुरुहासी॥**
अमलीषागुन्यवसि,दिगियावाहिनीरुःसफ
मिोजोममाषाशयमदृष्टायकीर्तिगा॥ ॥ ॥इहादमीमपनकुरुआदि
ह्यवातहासी॥अकादमीविमषनकुरुसामवातहासी॥दममीगा
डानकुरुअमलवातहासी॥दिगीयासुहनकुरुवृधवातहासी॥अरुमी
अमविषनकुरुवरुह्यागीवातहासी॥दिगीयावाहिनीनकुरुमुकवा
हासी॥सफमीपूर्वाषाटनकुरुअनीमनवातहासी॥
अमलवातनूनवाधनकुरुहासी॥
अमलीषागुन्यवसि,दिगियावाहिनीरुःसफ
मिोजोममाषाशयमदृष्टायकीर्तिगा॥ ॥ ॥इहादमीमपनकुरुआदि
ह्यवातहासी॥अकादमीविमषनकुरुसामवातहासी॥दममीगा

॥ ॥ ॥ दिनीयाधनूमानवदुर्ध्ववपुःकृया । मयकर्कट्यायदि कः
 न्यामिथूनवामामि ॥ ॥ दममिविकुर्कसिंह द्वादशममकसुनुत ॥ धनूत्राः
 भीमीतवाभी इत्यद्यव दिनीयादिनमइसीय ॥ ॥ वषतासि कृमृताभि
 इवकाववाथमकदिनमइसिया ॥ ॥ मयतासि कर्कट्यासि श्वद्यव ॥ यः
 विदिनमइसिया ॥ ॥ ॥ कयतासि मिथूनतासि इवद्यव ॥ नूयमि
 कृदुदिनमसिया ॥ ॥ ॥ विकृतासि सिंहतासि इवद्यव ॥ दममी कृ
 दुदिनमइसिया ॥ ॥ ॥ मकृतासि पुत तासि श्वद्यव द्वादशीदिनमइसि
 या ॥ ॥ ॥ धनमासदयकवाया कृकाईमगवश्वी ॥ ॥ ॥ एक

पूर्वमिमेकाका उद्योपद्वदुर्द्वनी । नूयमिगु कृकव द्वादशीगु कवव ॥ न
 सयव विजानिया नानदानविधियर्ग ॥ ॥ नूमावाभी यूर्मिमा मकृतासि
 मुकयकृया चतुर्दशी नूयमि मुकयकृया द्वादशी ॥ धनूत्रासि यूर्मिमा
 ॥ प्रानयाय दानयाय हिंय ॥ सिंहवपुसंगयायमगव ॥ ॥ ॥ नूयमि विधिः
 दवना ॥ यमियदा नूयमि विधिः दिनीया विविधवव ॥ रतीयागवभी चव वपु
 र्धिविनायक ॥ यथैमनागगोथीय वदिकृमा नमवव ॥ सयमिविभि
 वेव नूयमिवदुभवव ॥ नवमि चव इत्यन्य दममि धर्मवाकृक ॥ नूकादगीः
 सथा वृद्धद्वादशीमाधवसुथा ॥ यथादगी कामदवस्य चतुर्दश्या नूयववीय

रूमिभिमंलयेव ॐ ह्यहनिदिप्रवगा ॥ ॐ निमिधिववगा ॥ ० ॥ याइ अदि
 सगिधि ॥ ॥ दिगिंयावुक्रासगिधि ॥ ॥ हंगीयालोमीसगिधि ॥ ॥ याधक
 ग. (ससयागिधि ॥ ॥ यं वमीनागयागिधि ॥ ॥ वरुमी कुमानयगिधि ॥ ॥
 सयमीसूर्यागिधि ॥ ॥ अरुमिमहावेदयगिधि ॥ ॥ नवमी इमोया
 गिधि ॥ ॥ यममी धर्म वाक्रायागिधि ॥ ॥ अकादमी ॐ ह्ययागिधि ॥
 ॥ द्वादमी साधिवयागिधि ॥ ॥ गियायमी कामद्वयगिधि ॥ ॥ वरुय
 मी रववयागिधि ॥ ॥ पुन्रुमाभिवदुसायागिधि ॥ ॥ थगनगिधियं
 वगास्यया ॥ ॥ अदिहसूयिववमुचदुनराऊसंवसं ब्रिधिवीवरयंतामव

अह्यसूर्यनवगा ॥ जीवधर्मकामर्थमुकश्रयायवान् । अनिश्चववक्रया
 गनयावगमाभिमंभोसव ॥ ॥ ययविववर्नदया गसाकयया गविऊर्मनि
 ॥ वियेगाजुगुंदयात निधननिवकाश्चरनी ॥ ॥ ऊर्मसम्यक्ते वियहिकेमयगिमाय
 ननिधन मिगुयवमोमठ ॥ ॥ ॐ निगावारुता ॥ ॥ ॥ अर्थगिधियासनऊ
 या ॥ ॥ पुनियदाया अऊरुसयासन ॥ ॥ दिगंतीयाया ऊगमुता ॥ ॥ रंगी
 यायानका ॥ ॥ वरुयेंस्यार्थियागुता ॥ ॥ यं वमिया र्णव ॥ ॥ ययिमिया का
 च्छनादका ॥ ॥ सयमिकसि ॥ ॥ अरुमिया कमुनि ॥ ॥ नमियासुगा ॥ ॥
 यममिया लममठ ॥ ॥ अकादमीया र्णक ॥ ॥ द्वादमीया वयधमीया दामस ॥

॥ अथ उर्ध्वनीया यथा कडा ॥ • ॥ यन्निमिया कसुवि ॥ • ॥ ~~यन्निमिया सन~~ ॥ •
 ॥ • ॥ अथ नक्रु यथा सन ॥ • ॥ अथ नक्रु यथा योस स इष्टा सन ॥ • ॥ एव नीन
 क्रु यथा हामस ॥ • ॥ कलिकया विविद्या सन ॥ • ॥ मोहिनीया यथा सन ॥ •
 मगनीनया वसोया यथा सन ॥ • ॥ आडत्या वीया सन ॥ • ॥ यन वसोया स
 या सन ॥ • ॥ यथया यथा इष्टा सन ॥ • ॥ अथ यथा यथा यथा सन ॥ • ॥
 मद्यया साविता सन ॥ • ॥ यथया यथा यथा सन ॥ • ॥ उक्तु यथा सन ॥ •
 या सागया सन ॥ • ॥ रुक्मया यथा यथा सन ॥ • ॥ स्वागिया हामस यथा सन ॥ • ॥
 विष्णवया सन ॥ • ॥ अथ यथा यथा यथा सन ॥ • ॥ अथ यथा यथा यथा

कया सन ॥ • ॥ सत्यया यथा सन ॥ • ॥ यथया यथा यथा सन ॥ • ॥ उक्तु
 यथा यथा सन ॥ • ॥ अथ यथा यथा यथा सन ॥ • ॥ यथया यथा यथा सन ॥ •
 ॥ अथ यथा यथा यथा सन ॥ • ॥ यथया यथा यथा सन ॥ • ॥ उक्तु
 यथा यथा सन ॥ • ॥ यथया यथा यथा सन ॥ • ॥ ~~यथया यथा यथा सन~~ ॥ •
 ॥ उक्तु यथा यथा सन ॥ • ॥ यथया यथा यथा सन ॥ • ॥ यथया यथा यथा सन ॥ •
 सति मम रुक्मया यथा यथा सन ॥ • ॥ यथया यथा यथा सन ॥ • ॥ यथया यथा यथा सन ॥ •
 सति मम रुक्मया यथा यथा सन ॥ • ॥ यथया यथा यथा सन ॥ • ॥ यथया यथा यथा सन ॥ •
 सति मम रुक्मया यथा यथा सन ॥ • ॥ यथया यथा यथा सन ॥ • ॥ यथया यथा यथा सन ॥ •

भादयिव दवयका क्तायिव धर्मै सवभ क्ता सव कर्मयाय मनु धरिव भादयः
 थस तु वया केह के शय थम तावया के के सिद्धि याय धर्ले अथि वमने ख वा वाः
 सव क सइ इस्वित्ति थै सुस्वि थ क शय नाइ स क यय म सहायि वात वरुं श्री यः
 सी के स काय यय माम व वन म हिक स्ता विधान शय सन यय क ता न क ज
 काय मा सित्ति निस कान अरुं को ति नय स विरुं हि रु भव या के आ मा त यय म स
 स्विं स खान स सय थ ग ख ता व हा थ यत क सी ता ख थ न स सय वा न अठ ना न
 पी ले इत अति सान मोठ स्या क मिखा स्या के अ जी लु क के थ न ना ग ॥ व व

[illegible]

हागसमथाकमवयाधनभीरवावयोवाहस्ववा आहंरयाकाकाईसिदयाय
रुयीव बाऊरावक कामकाव गमकासिभवसायमरू रूयातिकइयू कावा
कै२ कायमासिव कायभावाययूव रूखसमकासधगसागाव आहंत सो काय
तुयधअरुगधगवसुनागकागु कामसुताग ठागगिसास आधि केकुमाउस
कयगसाकधगवाग ॥ अकामेलेयूद १ कतागिसाव वर्ष २ आधि मिरवा
कवर्ष १०२ यूयालय वर्ष १२ कसनयूयिव वर्ष १३ कसनयूयालय ममुनया
सहव वर्ष १० वियालय वर्ष ३० दवखन कव सनियाग धगरूयरूवास
वर्ष ६० म्वायू ॥ धगरूजीनकययारू ॥ २ ॥ ॥ **कहि कनकयया यदाववि**

मगिसरू ७ महस्वयववगा अग्निवेभायनिगाग अग्नि कमु वाहनवाकस
कागिबकावर्गु मूगावकू या १ मुक कययाय १ मयवासियाद १ वववासियाद
१ मयसूगीकाग ॥ रुगिदयिव सवकययिवनेस्वरीरागीमवयादवाभावकि
वकावाकै १ ययूमादिइयूव वाहिठ गऊवकस्वसयिवसरावादिशवयी
यववनकायूव समसुयी कवठुयीव दव वाफसवदे अग्निठिठुव धगस
कराकिइयीव मस रिवससयइयीव स्ववाइयीव धवदसमधनमायिवमधु
नगाइइयिव काविविह मरिठ धाठु वागयीनधगस्वराव ॥ अकामेलेव
वर्ष १ कवसाकययिव वर्ष २ खयालयवर्ष १३ कसनयूयिव वर्ष १० यूयालय

प्राप्तवर्ष १२ अथ यात्यथ गच्छिय रुगसा वर्ष २० म्यायव ॥ अथ कर्त्तिक
नक्षत्रयास्त ॥ १२ ॥ **॥ राहिनी नक्षत्रा वरावी समुद्र गच्छिय सा वाहनः**
मनुष्या जाति ॥ नागसत्त्व योगवत् पूर्य विरुद्धं कर्त्तव्यं वासि मृथसु गोका ग
मारुदुमयस ॥ पिमिमध्यम प्रासादिक धारगर्भा वमिवा मिश्रयूव सखव
वनझयी ववतहाम्यदयूव जावा फे उदयिव कायभावादयिव कोयुदे
न भूमिपि लिङ्गा विमान्ययाथिव कोविमसरिंसय धर्मास्तु भक्तुमयिव
धर्मस्वभाव वाग धानु तामपीह कस्तदाय करुवे भर्ष या गवाय स्वातम
धर्मवाग अकावमह्य वर्ष १२ कोवनययिव वधादयिव वर्ष १३ कर्त्तिक

करुवर्ष २० म्यायत्य अथ यात्य यिवद कायोनयूना वरुयू वर्ष १० धनः
मायिव धर्मयय रुगसा वर्ष २१ म्यायिव ॥ अथ राहिनी नक्षत्रयास्त ॥ १३ ॥
॥ मन्मथि नक्षत्रा यवतासु वरा वाहन दवडा ग योगवत् कवर्त्तु य उ
दममरुदुमयसी मयवद दययाद कर्त्तव्ययाद २ मिथून वाजियाद २ ना
नत्व मृथसु वडा ग ॥ वायूव्यमभुत ॥ मिसस्वभाव लिङ्ग वनी आसश्यू थनडा
सश्यू धनसि यसादकायूव वा लिङ्ग साकवदनाइ मिथवा गावा व गच्छव न गीति
व स्वसयी वृक्षानिहयिवद वयूजाका व ववत विरु उ ॥ १४ ॥ अथ मृगशिरा नक्षत्रा यव
व मगिशिय व उर्थ सां जलिङ्ग मम र्विंस रयहव कस्तदायूव मिथकाइ सहि

नद्यमस्तवावकावाका ४ दयोवकायदयोव भागवागपीरु अगिमात् काम
 सनानायाधि ककुडासथनवाग ॥ अकामस्तुवर्ष ४ ननुमावा भागवर्ष ४ अगि
 मावतस्तुवर्ष ११ व्यासय अगुयासय वर्ष २३ सुववस्ययायुवस्तुवर्ष
 वर्ष १० कतनयुयिवमिस्वास्यायि वर्ष ६० नुगयासय हि स्विद्यासुशयिव धन
 रुयारुटसा वर्ष ९९ व्यापुव ॥ धनमगभीसनकृपारुत ॥ ३ ॥ ॥ अडा
 नकृपयाय चवत्वावीसमूरुय नृदयवगावमिद्यगाय विवाहानमनूयका
 मल्यानस लयवदयनय नवर्क वृद्ध कृयमिधूनलसि अथसु गोकागयासा
 यिकात्वाहि ६० नरुवकखसयुशासयुवृद्धवक नमकासिमेवस्वयमसूव

चैगमवत्यायमयाकनूतसिस्वाहिथी	हयययवद्विथंस्वायययव अथि
वसवखवा	वद्वेनववदत्ताका ॥ २४ ॥
मयसंकनकनन ॥ २१० ॥	धनोहयगाधवद्वि ॥ २४२ ॥
वसनवसागनाब्धि ॥ २४४ ॥	मकलिभूयताका ॥ २०२ ॥
मियनहस्यताका ॥ ३०३ ॥	कहनवसागवाब्धि ॥ २४४ ॥
ककटमृयुथेसाधवद्वि ॥ ३४३ ॥	मीनसफनकनन ॥ २१० ॥
सिहनववदत्ताका ॥ २४४ ॥	गगत ० अूनर ३वान १० मभीक १०
कंचागिहूरवनवद्वि ॥ ३३४ ॥	पनाग १८ वास ३० म १० ३० यी
उरुगुरुवनवद्वि ॥ ३३४ ॥	हगत १० म १० ३०

अथ नवग्रह साधनानि ॥ १ ॥ ॥ मृत्प्राग्वत्कतहृश्य ॥ स्नानं
मावासादानं निवसयूजा विद्याधवीयूजा सूर्यास्तमन १२ ॥ ॥ १ ॥ वागह
युद्धस्व धनदान नियम इव ॥ नीतयागसुवर्क्योन ॥ सूर्यास्तमन १२ ॥ विद्या
धवीयूजा कतहृश्य ॥ ॥ २ ॥ प्राग्विद्वत्कतहृश्य वागधननाससुवर्क्योन
यागदानं धनसुवर्क्योन १ विद्याधवीयूजा सूर्यास्तमन १२ ॥ ॥ ३ ॥
॥ विविवर्गं न कुरुदयु धनसूर्यास्तमन १२ ॥ ॥ ४ ॥
विद्याधवीयूजा सूर्यास्तमन १२ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ इवधनं वागहृश्य नवग्रह
दानं आकाशविद्वत्कतहृश्य १ युक्तं वागधवीयूजा सूर्यास्तमन १२ ॥ ॥ ६ ॥

॥ प्राग्विद्वत्कतहृश्य युद्धस्व धनदान नियम इव ॥ नीतयागसुवर्क्योन ॥ सूर्यास्तमन १२ ॥ ॥ १ ॥
नयूजा सूर्यास्तमन १२ ॥ ॥ २ ॥ ॥ प्राग्विद्वत्कतहृश्य वागधननाससुवर्क्योन
यागदानं धनसुवर्क्योन १ विद्याधवीयूजा सूर्यास्तमन १२ ॥ ॥ ३ ॥
॥ विविवर्गं न कुरुदयु धनसूर्यास्तमन १२ ॥ ॥ ४ ॥
विद्याधवीयूजा सूर्यास्तमन १२ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ इवधनं वागहृश्य नवग्रह
दानं आकाशविद्वत्कतहृश्य १ युक्तं वागधवीयूजा सूर्यास्तमन १२ ॥ ॥ ६ ॥
॥ प्राग्विद्वत्कतहृश्य युद्धस्व धनदान नियम इव ॥ नीतयागसुवर्क्योन ॥ सूर्यास्तमन १२ ॥ ॥ १ ॥
नयूजा सूर्यास्तमन १२ ॥ ॥ २ ॥ ॥ प्राग्विद्वत्कतहृश्य वागधननाससुवर्क्योन
यागदानं धनसुवर्क्योन १ विद्याधवीयूजा सूर्यास्तमन १२ ॥ ॥ ३ ॥
॥ विविवर्गं न कुरुदयु धनसूर्यास्तमन १२ ॥ ॥ ४ ॥
विद्याधवीयूजा सूर्यास्तमन १२ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ इवधनं वागहृश्य नवग्रह
दानं आकाशविद्वत्कतहृश्य १ युक्तं वागधवीयूजा सूर्यास्तमन १२ ॥ ॥ ६ ॥

गथा १७ ॥ २. च ॥ गामयनस्यावनी राक्षसं पूयु सद्य नी स्वरायू कामत
 दान कर स्वस वलिया १ च ड म न य १७ ॥ ४ ॥ च ॥ व्याधि इ स्व सा क
 रुयू ग्रु य नि गीष रायू काम दान आगमममयू ऊ च ड म न य १७ ॥ ५
 ॥ च ॥ मृ त्यु र्म मि स्वा स्या वे शन न र्थे ना न च ड वि मृ ता यू काम दान त स्व क
 री यू ऊ त च ड म न य १७ ॥ ६ ॥ च ॥ मृ त्यु य न नो य यो न द रु च ड वि
 मृ इ दान तु वि स यू ऊ त च ड म न य १७ ॥ ७ ॥ च ॥ मृ त्यु वि का य मृ
 त मे न इ स्व रु यू वे न रु यू च ड वी मृ जी व घट दान वा सू कि यू ऊ न च ड
 म न १७ ॥ ८ ॥ २. ४. ३. ६. १२ धू लि थान स र्व ड चाने सा वायू वे स वलि

या १ नायय नाय नाययी नात नागिया ह्वा त इच्छि दाय कं म न विय ध्वनः
 न स्वर्ध ४॥ ॐ ॥ मे सुर्वं नाभि नाज ह्य रंग ह्य दानि प्रका थ सा व
 कृया न का सा क ग ल भ क य ऊ दान ॥ १ ॥ ॐ ॥ नाज ह्य न फ र य द्या न इ य
 प्र का त्ठ थ भ द्या थ सा य रु यो नि दान य नि स्व क ग ल भ य ऊ ॥ २ ॥ ॐ ॥
 हि री रा य न क र य प न ना ग ली क रं रु ह्य क क्ठ थ य प्र का वा क्ठ थ सा थ द
 दान को स्व क ग ल भ य ऊ ॥ ३ ॥ ॐ ॥ क क्ठ ना ना ना ग न क र य प्र का
 वा क्ठ थ न थ सा दान य र्व सा क ग ल भ य ऊ ॥ ४ ॥ ॐ ॥ ना गी ली क ल
 रु मी द्या ह्या य प्र का ठु ठ पा य दान ग र ल भ को मा दी प्र का मि स्वा ह स य ऊ

श्रीकाद्यान से गुप्त नानाय भर्षे चाम नय जा ॥ ५ ॥ व ॥ मज्जया तय यनन
कसर्थ असिद्धि शयूत ॥ काद्यान वेष्टा सर्थे चाम न इत्ये ॥ १२ ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥
न ॥ १२ ॥ धन धान से वृधे धान साने सत्य सवतिषा १ नव नाय प्र नायय १ मो ३
यूयिमातय २ स्वात इ कि दाय के वंति सम ने विय धन न धानि ॥ १३ ॥ १ ॥
मृ ख्वी धान उर विग्रह स्वाय माति ज मव ज निर्वद्धि शयू न के धान कस
नखय के दान या ० या न के मात ॥ १४ ॥ दव नाया क आगम से सिवा ॥ १ ॥ नि
रु क र शयू गु मिवा तख जय ॥ न के धी नव मु नखय के दान द गु ति सम न
या रु क र ति सवा ॥ २ ॥ व ॥ मखी शयू वृद्धि दिन शयू मा उस्यायू न के धान

ग्रहपनिधान ॥ दव नाया नम नया श किति सयू ॥ १५ ॥ व ॥ इह
१ शयू नव वाध य शयू न के धी नव मु दान द गु ति स सवा दि मि सयू ॥ १६ ॥
व ॥ मृ ख्वी धान मान्य दिन शयू अत्र नान शयू मवन अविवा ने या सी सिय
रु क र शयू दयू न के धी नव मु दान ॥ दव ना से ही मसन सजा ॥ १७ ॥
व ॥ धाना धम वाध धान स कुन पि द अ न मो ति ज ध मु या वा न न धन अदि
क रू य ज न के धी नव मु दान द गु ति गा द न नाट धन स सिवा ॥ १८ ॥
व ॥ धी नव वृद्धि से नाय शयू मान स्यायू न के धी नव मु दान ॥ दव ना
म आगम से पूजा ॥ १२ ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ १० ॥ १२ ॥ धन धान सव रू स्य नि धन

[illegible]

दय सुदुर्लभ कय गुणि गुरुपनिदान भूति संपूर्ण ॥ १२ ॥ ३ ॥ ५ ॥
 ॥ १२ ॥ ॥ अथ नमः स भुक्तानामाश्रय स वेति पा १ नय नय य नय
 पूजायुः ॥ नासु २ वसिष्ठमनविष्य स्वर्गनस्वर्थरूप ॥ ६०५ ॥ न ॥ ॥
 स्मनर्गेशय वृषहययय मृष्यहयह्व ॥ मासक उत्तिहायाननवगुरुः
 दान पी ० स सत्वा पा ० या न क मास ॥ १ ॥ न ॥ ॥ वनना नश्य नृथ स स्वना
 नश्य पनवक न नमानपाय मास कय गुणि सायान कर्तव्य स वेति पा १ न
 नयाने रजगपा ॥ २ ॥ न ॥ ॥ नागद्वीनिर्द्धन थ अशरुत अविनाधरु
 पू गुरुपनिर्द्धन पावदान पी ० स सत्वा पा क दाम वृत्त ॥ ४ ॥ न ॥

इहवउत्पलिरुधुधनपुयविवर्ग सादानग्रुपनिदान श्रीमसनयातकः
नृतिमवावागुकिरुपेतामृकवानिसयूजा ॥ ३ ॥ न ॥ इवाधनवध
कीवियोगनगुपीडाहामरुमत्तुथुकाअदानहीमसनवऊयागिनिसवात्राका
ध्वनीयातवतिपा १ ॥ १ ॥ न ॥ कृतसधनपुयकी विसअनीवभंऊ
रुयमृल्लुयसूयाकययुसा मासदानपी०सहीमसेनसंवीसे पा०यावक
मात ॥ ८ ॥ न ॥ अर्थधनविनागंकीपुवधुपीडायेदानपी०स
कासिकाप्रमुखीपूजा कर्तृत्वसंवतिपा १७ गयातरंगअगपा १ ॥ १ ॥ न
॥ मव्याकपनवक्रसइहवश्य ऊनविद्यानाल ॥ ऊरु दानपी०सगातन

भवा ॥ १० ॥ न ॥ विलुवननाननागिरुयकतुरुश्यग्रुपनिद्याः
पी०सहीमसनपूजापा०याककमात ॥ १२ ॥ १२, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, ११, १२
धनधनसुननेधनवानसाधुधनसवतिपा १ अउयनायपु १ गयाअउ
गातपू२ह्वातरुकिदादेवतिसेमनवियथननानि ॥ ६३ ॥ न ॥ धूम
पुयागुयश्यविह्वरुय मासयाककर्तपुयमृल्लुययू ॥ म्वागस्वअदान
वियधमभनसंसगतकी १ मरुकातसहामायेयकेपूजातेनवयाकसा
०यातकमात ॥ १ ॥ न ॥ अर्थवानयारुहमफुरययधुधनरु
पुम्वातस्वअदान मरुकातसपा०यायकमातरुनिवक्तमवा ॥ २ ॥ न

कं कं यादवपूजा आगमसंपूजा ॥ सुखसं किं च ह्येह ॥ २ ॥ कं ॥ आगः
 शयुः शयुः शयुः संगाय कां न न वा न सदानु निनी स वा किं गय कं कं यादवः
 आगमपूजा ॥ ३ ॥ कं ॥ कं स विष्णु शयुः कार्याया को ना न शयुः मृत् शयुः का
 ल गडा सया वा न सदानु न कं स सर्व सिपा १ कं यादवपूजा ॥ ५ ॥ कं ॥ आथः
 श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः
 निवर्षेर्षवा मृत् पूजा ॥ ७ ॥ कं ॥ मृत् श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः
 कृतय आदिक इत्युः श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः
 सिपा १ कं यादवपूजा व सि वि य मा न ॥ ८ ॥ कं ॥ आ कं स ना य मृत्

निष्कृष्ट सदानु कं स शयुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः
 कं ॥ आगदय पं व व कृतय कं विद्या लानि न व गृह्या न सैष का स यः
 कं ॥ कं य २ ॥ श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः श्यायुः
 न कं स व वि द्ये न आगदय आगदय आगदय आगदय आगदय आगदय आगदय आगदय
 १ ॥ २ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥

ॐ नमः श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ कर्मसनाय उक्तनसमि नमः ॥ ॐ आत्मानदवना
यक्याया ३ नमः स्वाहा ॥ धन २१ ॥ पूर्वसिवास्वस्त्यदवनादवीचक्यत्स
उवा १००००० सिद्धिनि ॥ धनगामुपधामनकुपसिद्ध ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः
ॐ ओं ओं ओं सर्वदवना श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ
धनगामुपधामनकुपसिद्धिनि ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः
मायाया ३ स्वदवनादवीचक्यत्स ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः
द्यजसवमनसिन १२ तागद्वगकसकोनरुतहाय ॥ ॐ ॥ मम विह्वला
नविमना ॥ कसीपीथिगलास्ति नमिथूनमास्ति मायास्वाहा दायवकक

ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः
नदाधव विक्रमो मतापि न धनस्वदवनादवीचक्यत्स ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः
कुरु कुरु पादद्वयमीनश्रीकांशयोगिनी ॥ ॐ ॥ मम १२ नमो श्री गणेशाय नमः

ॐ ॥ वृष २३ नाश्रुमापीथिनाद्वय ॥ मिथून २३ स्वदवनादवीचक्यत्स ॥
महाकात्यायिनीकाद्वय ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः
मिथून ५ श्रीगममिवास्ति नाटस्वदवनादवीचक्यत्स ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः
मन्त्रानयाद्वय ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः

हानइधने॥ ५ ॥ तप्रकादभसनाह्वानसाकूळठाविळठासूवावियाडा
पासाडासि सिकयाधर्म॥ ना ॥ ग्निगुरुदोषविवावगममूर्यावान
दभयास्वयशुताधुर्॥ ० ॥

ना	श	ना
२	१	१३
४		१०
५	७	६
ना	ना	ना

उं नमः श्रीसूर्याय ॥ सूर्यगुरुमहायशुतासमसफप्रटका
कादकद्विद्धादभठाधनिगुरुमहत्तशुवा ॥ ॥ नूमावासि
पूनुसकांनियातुगनिन ॥ आदित्यतपसतयवाहूद्याकन
नायंवानसायहनइश्रुवामोसिसूर्यधविम २० प्रति ॥ थप

विष्णुनिनसर्वगुरुसूर्यकं जानिडा वाहूकयवर्ह ॥ १ ॥ तप्रस आदित्य
दिगीयस वाहू डानसा नूमावासि निषवि २ इवतस नूगु १ जानिडा वाहूनी
सर्वर्ह ॥ २ ॥ तप्रस आदित्यमक्षमस वाहू डानसा नूवासि सघति इववस वा
वाक नूगु लिक्किम जोळ वाहूक यवर्ह ॥ ३ ॥ तप्रस आदित्यसफमस वा
हू डानसा नूमावासि डूसघवि इवतस वा वाक जानिडा वाहूक मवर्ह ॥ ४
॥ तप्रस आदित्य नूक्षमस वाहू डानसा नूमावासि व्याघ २ ॥ मुर्ता
रथीरगर्भसोयनमठा नवगुरुदानभानि ॥ आ ॥ आदित्यमूर्धनवगुरुद

नवाकुरु सूर्यविष्णु नकुवमु नगा कयपा असि कुरुमाता स नया अत्र जावार्थ
या गदान विषयं च वक्रापा ॥ २ ॥ सामेधाथु निमावलि विधान नानि स्वलि
पूजानव गुरु नमो १ शहाय दुविष्णु यद्वा मत्त घत्तु मा कसि कुरु कसपा
गुरुमाह कायं च वक्रापा ० सादान थु लिदो नय क्राभा कि ॥ २ ॥ मंगल ॥ थु
नियाना कि तु परका परवा क विवेकं हा मृ गलय निरुदय पा ० अत्र
व्यावर्तन धन पूजा भक्ति स्वलि रुय ॥ ३ ॥ वृद्ध ॥ थु गिया भक्ति हा कर्तव्य
संस्तुत रुह पावन वृत्त पूवा कि क्रा कि ह्मन धन पूता रुय हा सग संवय क की
लिखन यय क रु सगल सुरु सिधा त रु स्वा ध्ययन पा न क वे रा पूजा कुरुद

वगापूजा विदुदय क थ नन सानि ॥ ५ ॥ वरु सागि ॥ नव गुरु वलि विधा
न सवर्तु प्रतावे पा ० हा प्र आरु निरुह द गु ति थ व गुरु ससाता असा धन या द
आ विधि गु ति मात उ गु ति या द श भक्ति स्वलि रुय क पूजा वलि गो लूदन क
पूजा रुय न मात मया नसा मय विनि रुय ॥ ५ ॥ ॥ दुर्गा ॥ गुरु सतं श्री साध
न भक्ति वलि पाऊ वे रा पूजा महा वलि धी वली संगु रु पा ० क मा नी म वा श्री न
संमत्त वा कुरु न के यो क्को हा कुरु न विषय थ न न भक्ति ॥ ७ ॥ भक्ति धन ॥ संघ हा
ऊ न माह का पूजा निव रुम दय कं कुरु दान ऊन वत गात न उता दान वृत्ति न
न धने च वदय कं न वा ना स नया अथ अरु स सग सं रुम त विवेकं रु न म रु

[illegible]

श्रीगणेशाय नमः ॥ अथ हस्तमंडलं ॥ हस्तमंडलं नाम त्रयोविंशत्यक्षरं ॥
 विष्णुं प्रियमिह त्वाहं ॥ हस्तमंडलं नाम त्रयोविंशत्यक्षरं ॥
 पूजार्थं नमानस्तु गतं ॥ १ ॥

॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ २५ ॥
 ॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ २६ ॥
 ॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ २७ ॥
 ॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ २८ ॥
 ॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ २९ ॥
 ॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ ३० ॥
 ॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ ३१ ॥
 ॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ ३२ ॥
 ॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ ३३ ॥
 ॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ ३४ ॥
 ॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ ३५ ॥
 ॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ ३६ ॥
 ॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ ३७ ॥
 ॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ ३८ ॥
 ॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ ३९ ॥
 ॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ ४० ॥
 ॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ ४१ ॥
 ॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ ४२ ॥
 ॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ ४३ ॥
 ॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ ४४ ॥
 ॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ ४५ ॥
 ॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ ४६ ॥
 ॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ ४७ ॥
 ॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ ४८ ॥
 ॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ ४९ ॥
 ॥ श्री ॥ सुखमनसा ॥ ५० ॥

श्री॥ मृत्युर्लोकमिव ॐ हृदय
कंस॥ श्री॥ मृत्युर्लोकमिव ॐ
व॥ मृत्युर्लोकमिव ॐ हृदय
मृत्युर्लोकमिव ॐ हृदय
म॥ म॥ मृत्युर्लोकमिव ॐ
मृत्युर्लोकमिव ॐ हृदय
॥ कंसदं वयं वयं वयं ॥

श्रीमहात्म्ये श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीकाश्या ॥ १ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ २ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ३ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ५ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ६ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ७ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ८ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ९ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

१॥ चानवयसुता वि ॥ च
इमनया ॥ कस्य स वति ॥
२॥ कासागलसयूडा गिनिर्क
स ॥ च ॥ इत्युत्तिसममया नहि

गिसयूऊ॥१॥यिधसुयाक
यूऊ॥२॥वा॥यूयसिसयूऊ॥
वसयूऊ॥३॥

ॐ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ व ॥ भवया दोषं व्यादोषयिथ
स कामागिस ॥ ७ ॥ त्वंसव कदा
इ केया दोषेय इत ॥ ८ ॥ पिथर
कसेसन ॥ ९ ॥ गुनिनिकु मया ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 वीर्यं विष्णवे ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 प्रियं कथयामि निजानां महारथा-
 कांस्यं चानि सुभाकरं ॥ कल-
 यं सध्या अहम् ॥

॥ काननं नवहनुमन्तपत्रं ॥
॥ उधिसयकृतमल्लस्य ॥ अत्र ॥
॥ एतत्प्रमाणाय यद्वा ॥ शुभ ॥
॥ श्रीकाश्यानि ॥ वृ ॥
॥ विष्णुपदा ॥ अ ॥
॥ काशिकुन ॥
॥ श्रीमान् ॥
॥ श्रीमान् ॥
॥ श्रीमान् ॥

